हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025

11 श्रद्धा और उल्लास से मनाई भगवान महावीर जयंती

12 लोवा कलां में हुई देशव्यापी कार्यक्रम की तैयारियां तेज

खबर संक्षेप

बिजली शिकायतों पर सुनवाई आज

बेरी। शुक्रवार को बिजली निगम डिवीजन बेरी के उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के बेरी कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अभियंता अमित गर्ग करेंगे। बिजली निगम के एसडीओ सुनील कुमार ने बताया कि बैठक में बिजली उपभोक्ताओं की बिजली बिल, कनेक्शन, लोड संबंधित समस्याओं को सुना जाएगा और उनका मौके पर ही समाधान किया जाएगा। संतुष्ट न होने पर उपभोक्ता आगे शिकायत कर सकेंगे।

महिला के गले से सोने का लॉकेट झपटा

बहादुरगढ़। काठमंडी में एक महिला के साथ स्नेचिंग की वारदात हो गई। बाइक सवार दो शातिर उसके गले से सोने का लॉकेट झपट ले गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वारदात लाइनपार की निवासी रीना के साथ हुई है। जानकारी के अनुसार, रीना वीरवार की दोपहर को किसी काम के सिलसिले में काठमंडी में आई थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक उसके नजदीक आए। पिछली सीट पर बैठे युवक ने उसके गले से लॉकेट खींच लिया। एकाएक हुई इस वारदात से महिला दंग रह गई। उसने शोर मचाया और पीछा किया लेकिन बाइक सवार शातिर दिल्ली की तरफ भाग गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आरोपियों की घेराबंदी के प्रयास शुरू किए।

जन्मोत्सव भंडारा व वंदना महोत्सव कल

बहादुरगढ़। श्री श्याम लाडले सेवा सदन बहादुरगढ़ की ओर से श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्री हनुमान जी व श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का विशाल भंडारा और श्री हनुमान महोत्सव 12 अप्रैल को नवयुग हाई स्कूल प्रांगण में धूमधाम से मनाया जाएगा। दोपहर एक बजे भंडारा होगा और शाम 5 बजे से प्रभु ईच्छा तक श्री हनुमान वंदना महोत्सव चलेगा।

बुधवार की रात बालोर के खेतों में बनी मार्केट में लगी थी भीषण आग

शहर के लिए नासूर बने अवैध पीवीसी गोदाम, गुरुवार को भी उठता रहा धुआं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बालोर गांव के खेतों में स्थित अवैध पीवीसी मार्केट में लगी आग को बुझाने में दमकल कर्मियों ने रातभर कड़ी मशक्कत की। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण तो पाया गया लेकिन सुबह तक भी पूरी तरह नहीं बुझ पाई। वीरवार दोपहर तक भी मलबे से धुआं उठ रहा था। आग लगने की इस घटना से काफी नुकसान हुआ है। वहीं, आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। दरअसल, बहादुरगढ़ में कई जगह अवैध पीवीसी मार्केट है। इनमें बड़ी तादाद में गोदाम हैं, जो इलाके के लिए नासूर समस्या बने हुए हैं। इस वजह से यहां का पर्यावरण दूषित हो रहा है। बीती रात को यहां गांव बालोर के खेतों में मौजूद कबाड़ के गोदामों में भीषण आग लग गई थी। यहां काम करने वाले व्यापारी अनिल दास ने बताया कि वह पिछले लंबे समय से यहां जमीन किराए पर लेकर प्लास्टिक सेग्रीगेशन का काम कर रहा है। प्लास्टिक के कबाड़ को छांट कर उसे रिसाइकिलिंग के लिए अलग अलग फैक्ट्रियों में भेजा जाता है। रात करीब साढ़े आठ बजे उनके गोदाम में आग लग गई। जिसके चलते सारा सामान और एक गाड़ी जलकर राख हो गई। यहां तीन चार अन्य व्यापारियों का भी सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। हालांकि यहां काम करने वाले श्रमिकों ने समय रहते भागकर अपनी जान बचाई। रातभर दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में प्रयास करते रहे। सुबह टीम वापस चली गई। हालांकि कहीं कहीं हल्की आग सुलग रही है।आग लगने से इलाके में प्रदूषण फैल गया। बालोर सहित आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई।

बहादुरगढ़। कबाड़ के ढेर से से उठ रहा धुआं। (इनसेट में) आग में जला कैंटर।

प्रदूषण से ग्रामीण बेहाल

बालोर के ग्रामीणों का कहना है कि अवैध पीवीसी मार्केट हटाई जाए ताकि लोगों को प्रदूषण की समस्या से निजात मिले। बता दें कि बीते दिनों ही नगर परिषद की ओर से 21 अवैध पीवीसी कारोबारियों की पहचान कर उनके खिलाफ एफआईआर कराने के लिए पुलिस अफसरों को पत्र लिखा है।

प्रीति शर्मा का इसरो में वैज्ञानिक के पद पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की पूर्व छात्रा प्रीति शर्मा का चयन इसरो में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। विद्यालय के निदेशक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रीति शुरू से होनहार व मेहनती छात्रा रही है।

बोर्ड परीक्षा की टॉपर

जब वह आठवीं कक्षा की छात्रा थी उस समय उसने आठवीं की बोर्ड परीक्षा को राज्य स्तर पर टॉप किया था। इसके अलावा वह दसवीं व बारहवीं में भी अपने क्षेत्र में अव्वल रही थी। स्कूली शिक्षा के बाद उसने गुजरात की नवसारी यूनिवर्सिटी में स्नातक स्तर पर टॉप किया व त्रिशूर में स्थित केरल यूनिवर्सिटी से स्त्रोत्तकोतर करने के बाद अब नवसारी यूनिवर्सिटी से शोध कर रही है। उसने अपनी उपलब्धि का श्रेय शुरूआती शिक्षा प्रदान करने वाले द्रोणाचार्य विद्यालय के गुरुजनों को दिया। इसके अलावा उसने इस मुकाम तक पहुंचने में डॉक्टर अनूप व डॉक्टर सतीश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन की भी सराहना की।

मांडोठी में 14 को होगा कार्यक्रम

बहादुरगढ़। हर वर्ष की भांति इस बार भी गांव मांडोठी में स्थित माता सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का जन्मोत्सव 14 अप्रैल को विश्व शिक्षा दिवस और पुस्तकालय के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते कवि अरविंद गौतम बेंदी ने बताया कि मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। सरपंच पुत्र निलेश दलाल भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

नयागांव में सरपंच और उसके भाइयों पर घर में घुसकर हमला

■ पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

बहादुरगढ़। नयागांव में सरपंच व उसके भाइयों पर घर में घुसकर हमला करने का मामला सामने आया है। गांव के ही दो सगे भाइयों पर मारपीट करने, तोड़फोड़ करने का आरोप है। सरपंच के एक भाई को अधिक चोट आई है। वह अस्पताल में भर्ती है। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नयागांव के निवासी आजाद ने कहा कि बुधवार रात करीब सवा एक बजे हम सो रहे थे। इसी दौरान घर के बाहर से आवाज आई। गली में आमने-सामने दो गाड़ियां खड़ी थी। जिनमें गांव के ही युवक सवार थे। मैंने दोनों गाड़ियों के चालकों को शोर न करने के लिए कहा तो एक गाड़ी चालक अपने घर चला गया। लेकिन दूसरी गाड़ी में सवार युवक गाली गलोच करने लगा। फिर मैंने दरवाजे बंद कर लिए। थोड़ी देर बाद वह युवक अपने भाई के साथ आया। उनके हाथ में जेली थी। हमारे घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। मेरे साथ मारपीट की। पत्नी, बेटा व पुत्रवधु बीच बचाव करने लगे तो उस पर भी हमला कर दिया। इसके बाद धमकी देकर भाग गए। फिर वे लोग मेरे भाइयों के घर पहुंचे और उनका दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। यह घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद है। यहां तक भी वे शांत नहीं हुए। कुछ देर बाद वे मेरे छोटे भाई सरपंच रोहताश के घर में दरवाजा तोड़कर घुस गए। रोहताश व उसके परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में मुझे अधिक चोट आई है। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।

आश्रम प्रमुख को पीटा ट्रैक्टर से दीवार गिराई

बहादुरगढ़। गांव छारा में एक आश्रम के प्रमुख पर हमला कर दिया गया। हमले में उसे काफी चोट आई। इतना ही नहीं, ट्रैक्टर से टक्कर मारकर आश्रम की दीवार गिराने की भी बात सामने आई है। हमले की असल वजह जांच का विषय है। फिलहाल शिकायत के आधार पर मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वारदात यूपी मूल के योगी वीरनाथ के साथ हुई है। वीरनाथ का कहना है कि वह छारा स्थित चमनदास मंदिर में रहता है। मंदिर में कुटिया का निर्माण चल रहा है। मंदिर के बाहर ठेकेदार ने रेती डाल रखी है। गत आठ अप्रैल की शाम को आश्रम में गांव का निवासी एक व्यक्ति आया और बोला कि महाराज रोड पर रेती किस ने डाली है। तब मैंने कहा कि ठेकेदार ने डाली है। फिर वह चला गया। कुछ समय बाद फिर एक व्यक्ति आश्रम में ट्रैक्टर लेकर आया। उसके हाथ में जेली थी। आते ही कहने लगा कि सड़क पर रेती किसने डाली है। मैंने कहा कि मंदिर में काम चल रहा है। ठेकेदार ने डाली है, कल उठवा देंगे। इतना कहते ही उसने जेली से हमला कर दिया। मैं बचने के लिए भागा तो रास्ता रोककर मारपीट की। इसके बाद उसने ट्रैक्टर से टक्कर मारकर आश्रम की दीवार गिरा दी।

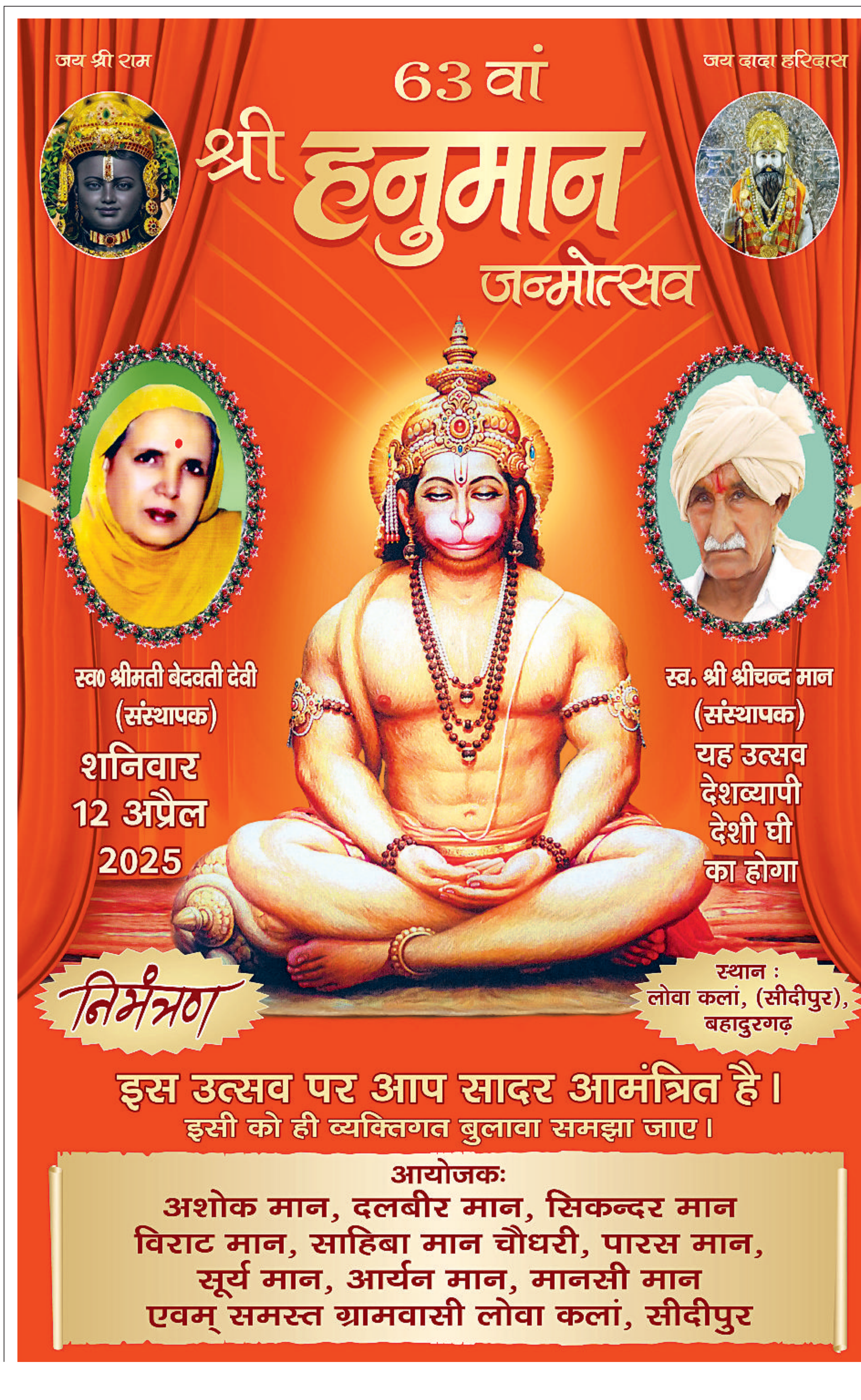

आंधी और बूंदाबांदी ने बढ़ाई किसानों की चिंता, अनाज मंडी में आढ़ती भी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार वीरवार को मौसम का मिजाज दिनभर बदलता रहा। दिनभर कभी आसमान में बादल तो कभी हल्की धूप निकलती रही। लेकिन सांय एक बार फिर मौसम ने करवट ली और एकाएक धूलभरी आंधी चलने लगी और रूक-रूक कर हल्की बूंदाबांदी होती रही। जिसके कारण खेतों में किसान और मंडी में आढ़ती परेशान दिखाई दिए। एकाएक आंधी और बूंदाबांदी होने के कारण आढ़ती और उनके कर्मचारी तिरपाल लेकर दौड़ पड़े और मंडी परिसर में रखी सरसों व गेहूं की फसल को ढक दिया। वहीं खेतों में कटाई के कार्य में जुटे किसान ज्यादा परेशान दिखाई दिए। गांव जहांगीरपुर निवासी किसान श्रीकृष्ण गुलिया ने कहा कि अगर बारिश होती है तो पूरी मेहनत पर खराब हो जाएगी। जिसके कारण किसानों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से परेशानी होगी।

झज्जर। आसमान में छाए काले बादलों के बीच जेसीबी से गेहूं को ऊपर करवाते आढ़ती।

मंडी गेहूं व सरसों से अटी

उधर, पूरा मंडी परिसर गेहूं और सरसों की फसल से अटा पड़ा है। स्थिति यह है कि आढ़तियों को जेसीबी की सहायता से गेहूं की ढेरियों को ऊपर करवाना पड़ रहा है। उठान कार्य धीमी गति से होने के कारण किसानों और आढ़तियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि अब तक जिले में कुल 23595 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है, जबकि 26355 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है। इसमें से 12853 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग पूरी हो चुकी है और शेष लिफ्टिंग का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। वहीं गेहूं की जिले में 51504 मीट्रिक टन आवक 20242 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद हुई है।

विशेषः अंबेडकर जयंती, 14 अप्रैल

डॉ. भीमराव अंबेडकर देश-समाज को दी नई दिशा

प्रेरणास्रोत
अलका जैन 'आराधना'

बच्चो, भारत के संविधान निर्माता और देश के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव अंबेडकर का शुरुआती जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण था। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से कस्बे महू में हुआ था। उनका परिवार ऐसी जाति से संबंधित था, जिसे उस समय समाज में अछूत माना जाता था। इस सामाजिक भेद-भाव का अनुभव उन्होंने अपने बचपन से लेकर युवावस्था तक कई बार किया।

जब नहीं पीने दिया गया पानीः बचपन में जब भीमराव स्कूल में पढ़ते थे, एक बार उन्हें प्यास लगी। जब वे स्कूल में रखी पानी की हांडी से पानी पीने लगे तो वहां के अध्यापक ने उन्हें डांटते हुए कहा, 'तुम इस हांडी का पानी नहीं पी सकते, ये तुम्हारी जाति वालों के लिए नहीं है।' भीमराव शांत खड़े रहे। इस घटना से वे बहुत दुःखी हुए। उन्होंने इस प्रकार के भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने का दृढ़ संकल्प लिया, 'एक दिन मैं ऐसा समाज बनाऊंगा, जहां किसी को उसकी जाति के कारण पानी पीने से नहीं रोका जाएगा।'

बड़े होने के बाद भी भीमराव, बचपन में लिया गया अपना संकल्प नहीं भूले। उन्होंने 1927 में महाड़ नाम के स्थान पर एक आंदोलन शुरू किया। वहां एक तालाब था, जो सिर्फ ऊंची जाति वाले लोगों के लिए खुला था। अंबेडकर ने उन दिनों मानी जाने वाली निम्न जाति के अपने हजारों साथियों के साथ जाकर उस तालाब से पानी पिया। उन्होंने समाज को संदेश दिया- 'पानी सबका है, इज्जत सबकी है।' इस आंदोलन ने पूरे देश में उन्हें प्रसिद्ध कर दिया।

संविधान में दिया समानता का अधिकारः जब भारत आजाद हुआ तो देश को अच्छी तरह चलाने के लिए संविधान तैयार करने की जिम्मेदारी भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य विद्वानों को दी गई। उन्होंने ऐसा संविधान बनाया, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के हों। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि शिक्षा, नौकरी और न्याय में पिछड़े वर्गों को आरक्षण मिले ताकि वे बराबरी से आगे बढ़ सकें। इस तरह उन्होंने हमारे देश और समाज को एक नई दिशा दिखाई।

लें यह संकल्पः बच्चो, बाबा साहब की जयंती पर हम यह संकल्प ले सकते हैं कि कभी भी किसी को उसकी जाति, धर्म या रंग के आधार पर उपेक्षा या अपमानित नहीं करेंगे। हम सबको बराबरी का दर्जा देंगे। यही बाबा साहब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

दुनिया का काम

बच्चो, एक छोटी सी चित्रात्मक कहानी की किताब 'दुनिया का काम', कुछ समय पहले छपकर आई है। इसमें एक मक्खी, एक मुर्गा, एक कुत्ता और एक कौए की कहानी है। इन चारों को लगता है कि ये इंसान की अलग-अलग तरीके से मदद करते हैं। जैसे, मुर्गे को लगता है कि रोज सुबह उसके बांग देने से ही लोगों की नींद खुलती है, उन्हें सुबह होने का पता चलता है। इसी तरह कौए को लगता है कि जब वह किसी घर की मुंडेर पर बैठकर 'कांव-कांव' करता है, तभी उस घर के लोगों को पता चलता है कि कोई मेहमान आने वाला है। इतनी मदद करने के बावजूद इंसान उनकी मदद का महत्व नहीं समझते हैं। इससे नाराज होकर चारों अपना काम बंद कर देते हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए यह किताब तुम्हें पढ़नी होगी। *

किताबः दुनिया का काम, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन,
मूल्यः 150 रुपए, **प्रकाशकः** लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत के अजब-अनूठे गांव

बच्चो, भारत को गांवों का देश कहा जाता है। यहां करीब 6.65 लाख गांव हैं। इन गांवों की अपनी अलग-अलग खूबियां हैं, लेकिन कुछ गांव तो बहुत ज्यादा ही अनूठे हैं। यहां जाने पर ऐसे नजारे दिखते हैं, जिन्हें देखकर बहुत ज्यादा अचरज होता है। अपनी अनोखी विशेषताओं के कारण ये गांव, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। जानो, किन विशेषताओं के कारण ये गांव अजब-अनूठे कहलाते हैं।

मावलिननॉन्गः एशिया का सबसे स्वच्छ गांव

मावलिननॉन्ग नामक गांव, मेघालय राज्य में स्थित है। इस गांव का आकर्षण है-चमचमाती पक्की सड़कें, रोशनी से चकाचौंध गलियां। मावलिननॉन्ग में सफाई ऐसी रहती है कि दूर-दूर तक पेड़ों से गिरे पत्ते तक नजर नहीं आते हैं। कहते हैं कि एक समय मावलिननॉन्ग महामारियों की चपेट में आ गया था। यहां के लोगों ने अच्छे स्वास्थ्य और व्यवस्थित जीवन के लिए स्वच्छता का महत्व समझा। साफ-सफाई को अपनाकर अपनी किस्मत खुद बदली और अपने गांव को एक आदर्श गांव के रूप में स्थापित किया। यह गांव 2003 से लगातार एशिया महाद्वीप का सबसे 'स्वच्छ ग्राम' चुना जा रहा है। *

जबूरः गुजरात में बसा 'मिनी अफ्रीका'

भारत में गुजरात के 'गिर' के जंगलों के बीच बसा है जबूर गांव। इसे 'गुजरात का अफ्रीका', 'भारत का अफ्रीका' या 'मिनी अफ्रीका' भी कहा जाता है। यहां एक खास आदिवासी जनजाति 'सिद्दी' निवास करती है, जो मूल रूप से अफ्रीका के बनतु समुदाय से संबंध रखती है। अफ्रीकी रीति-रिवाज की छाप छोड़ता यह गांव हमेशा से लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा है। गुजरात में 'गिर' जंगल को देखने आने वाले लोग जबूर गांव को देखना नहीं भूलते। *

गुलावटः यहां होती है कमल के फूलों की खेती

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित है गुलावट गांव। इसे 'लोटस वैली' के नाम से भी जाना जाता है। यह गांव करीब 300 एकड़ क्षेत्र में फैला है। गांव के लगभग 300 किसान कमल के फूलों की खेती करते हैं। मई-जून में जब इस क्षेत्र में पानी नहीं होता है, तब कमल के बीज रोपे जाते हैं। यहां पैदा होने वाले कमल के फूल इंदौर के साथ दिल्ली और अन्य महानगरों में सप्लाई किए जाते हैं। 'लोटस वैली' इंदौर का एक बहुत ही प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बन चुका है। यहां धार्मिक स्थलों के दर्शन के अलावा घुड़सवारी, बोटिंग, साइकिलिंग, ओपन जीप में साइट व्यू जैसी एक्टिविटीज का मजा लिया जा सकता है। *

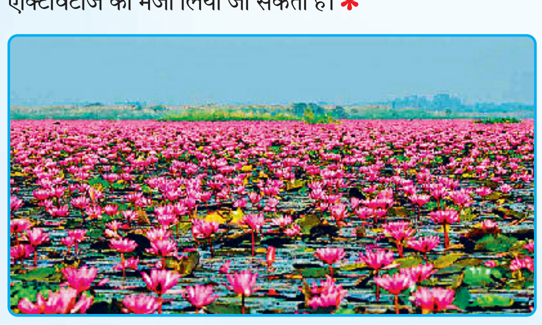

डोंगः जहां सबसे पहले निकलता है सूरज

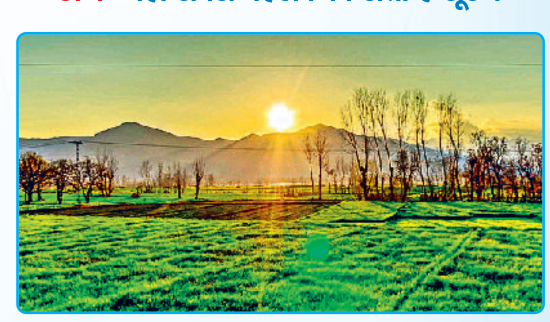

डोंग गांव को 'भारत का पहला सूर्योदय स्थल' कहा जाता है। यहां सुबह 3 से 4 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है। यह गांव अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित है। यह गांव चीन और म्यांमार के बीच समुद्र तल से करीब 1240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस गांव में दिन-रात का चक्र, देश के बाकी राज्यों से कुछ अलग है। बच्चो, तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि यहां शाम 4 बजे ही अंधेरा हो जाता है। सूर्योदय और सूर्यास्त की अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण देश-विदेश से पर्यटक इस गांव की सैर करने आते हैं। नए साल पर तो देश के विभिन्न स्थानों से लोग यहां सूरज की पहली किरण देखने आते हैं। *

विशेषः बैसाखी, 13 अप्रैल

उमंग-उल्लास का त्योहार बैसाखी

पर्व
विनय कुमार पाठक

बच्चो, हमारे देश में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। कुछ त्योहार ऐसे हैं, जो पूरे देश में मनाए जाते हैं, तो कुछ त्योहार ऐसे हैं, जो किसी विशेष प्रांत में या कुछ प्रांतों में मनाए जाते हैं। कुछ पर्व अलग-अलग राज्य में अलग-अलग नाम से जाने जाते हैं, जिन्हें मनाने का तरीका भी थोड़ा अलग हो सकता है। ऐसा ही एक अनूठा पर्व है बैसाखी, जिसे मुख्य रूप से पंजाब और उसके आस-पास के इलाकों में मनाते हैं।

फसल तैयार होने की खुशीः बैसाखी पर्व, मुख्य रूप से फसल तैयार होने की खुशी को प्रकट करने से जुड़ा हुआ है। मार्च के अंत से लेकर अप्रैल माह में जब रबी की फसल (गेहूं, जौ, सरसों, चना आदि) तैयार हो जाती है तो किसान उसकी खुशी को प्रकट करने के लिए बैसाखी पर्व मनाते हैं।

खालसा पंथ की हुई स्थापनाः बैसाखी सिख धर्म के लोगों का बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। सिख धर्म में यह पर्व नए साल का प्रतीक भी माना जाता है। इसी दिन सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष पूजा की जाती है, जुलूस भी निकाला जाता है। लंगर का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें हर धर्म और वर्ग के लोगों को भोजन कराया जाता है। इस अवसर पर अपनी खुशी उमंग को प्रकट करने के लिए लोग पारंपरिक लोकनृत्य भांगड़ा और गिद्दा भी करते हैं। इसमें बच्चे भी बड़े उत्साह से हिस्सा लेते हैं।

हिंदी महीने वैशाख से भी संबंधितः तुम्हें हिंदी कैलेंडर के महीनों के नाम (चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आसाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अग्रहण, पौष, मार्गशीर्ष, फाल्गुन) तो याद होंगे ही। इनके बारे में हम इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि बैसाखी का संबंध हिंदी कैलेंडर के एक महीने वैशाख से भी संबंधित है। जिस तरह आम बोलचाल में ज्येष्ठ को जेठ, श्रावण को सावन, भाद्रपद को भादो और मार्गशीर्ष को माघ कहते हैं। उसी तरह वैशाख को बैसाख भी कहते हैं। बैसाख माह की पहली तिथि को मनाए जाने के कारण इस पर्व को बैसाखी नाम दिया गया है।

हर प्रांत में अलग नामः बैसाखी पर्व, पंजाब के साथ-साथ कई अन्य प्रांतों में भी मनाया जाता है। असम में इसे बीहू, बंगाल में पोइला बैसाख, तमिलनाडु में पुथंडु, केरल में विशु के नाम से मनाते हैं। असम में इसे रोंगाली विहु या वैशाख विहु के नाम से भी जानते हैं। जो नव वर्ष का पहला दिन होता है। इस पर्व को मनाने का उद्देश्य होता है, ईश्वर को अच्छी फसल देने के लिए धन्यवाद देना। *

पहेलियां / हर्ष रमेश

बच्चो, नीचे दी गई प्रत्येक पहेली में किसी शहर का नाम छिपा है। इनके नाम बताओ-

1. ऋषि है पर तप नहीं करता
केश लगाकर आगे बढ़ता।

2. कान है पर सुन नहीं सकता
पुर की पूंछ पकड़ कर रहता।

3. हाथ है पर करता नहीं काम
रस है पर पीता नहीं श्याम।

4. हरि है पर नहीं है देवता
द्वार पर ही हरदम रहता।

उत्तरः 1.ऋषिकेश, 2.कानपुर, 3.हाथरस, 4.हरिद्वार

श्याम का गांव

श्याम बहुत ही खुशी-खुशी गांव से शहर इस इरादे से आया कि यहां वह बहुत ही अच्छे से पढ़ाई करेगा। लेकिन शहर में उसने जो देखा, उसका मन खिन्न हो गया। उसे अपना गांव बहुत ज्यादा याद आने लगा। श्याम का मन शहर में क्यों खिन्न हो गया? तो क्या वह वापस अपने गांव लौट गया?

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

श्याम को शहर आए दूसरा दिन है। चाचा उसे आज चिड़ियाघर ले जाने वाले हैं, लेकिन वह खुश नहीं है। गांव से आते हुए वह शहर के बारे में सोचकर बहुत खुश हो रहा था कि यहां वह अच्छे से स्कूल में पढ़कर बड़ा आदमी बनेगा। लेकिन शहर आकर उसका सारा उत्साह खत्म हो गया। श्याम यही सोच रहा था, इससे अच्छा तो उसका गांव है। शहर में चारों ओर बहुत गंदगी है। बस एक छोटे से कमरे में पिता जी और चाचा रहते हैं। इसी कमरे में खाना भी बनता है। दरवाजा खोलते ही बदबू आती है। मां दरवाजा बंद करके रोटी बनाती है। आज सुबह पास के सुलभ शौचालय से लौटने के बाद से ही श्याम का मन घिना रहा है। ऐसी जगह रहने के लिए वह गांव छोड़कर नाहक ही आ गया। श्याम को रह-रह अपनी दादी की याद आ रही है। गांव में भूरी गाय उसके बिना रोटी नहीं खाती। रोटी के इंतजार में शायद वह अब भी उसका रास्ता देख रही होगी। श्याम का बस चलता, तो अभी गांव लौट जाता। उसे बहुत जोर से रोना आ गया।

श्याम को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि वह अपने मन की बात किससे कहे? पिता जी से कहने की हिम्मत नहीं थी। मां बहुत देर से उसका चेहरा देख रही थी। क्या मां को पता चल गया कि उसका मन शहर में बिल्कुल नहीं लग रहा है, वह वापस जाना चाहता था? श्याम को याद आता है, शाम होते ही सारे दोस्त कभी तालाब के किनारे, तो कभी आम के बागान में खेलते हैं। यहां तो कोई दोस्त ही नहीं है। सुबह अपनी उम्र के एक लड़के से भेंट हुई। सोनू नाम था उसका। श्याम को लगा कि कम से कम खेलने के लिए एक साथी तो मिल गया। उसने उस लड़के से हंसकर कहा, 'यहां शहर में तुम कौन-कौन से खेल खेलते हो भाई?' सोनू ने उसे अजीब निगाहों से घूरा और बोला, 'मेरे पास खेलने का टाइम नहीं है। सुबह चार बजे उठकर दो मोहल्लों में अखबार बांटता हूं। पहले एक फैक्ट्री में काम करता था, लेकिन उम्र कम होने के कारण वहां से हटा दिया। अब नुक्कड़ के रामू चायवाले की दुकान पर काम करता हूं।'

श्याम उसका मुंह देखता रह गया। सोनू को जब पता चला कि श्याम शहर के स्कूल में पढ़ने के लिए गांव से आया है, तो उसे आश्चर्य हुआ। उसने श्याम को बताया, 'बस स्टैंड के पास वाले सरकारी स्कूल में मैंने कुछ दिन पढ़ाई की थी। मास्टर मारते बहुत थे। मां के बीमार होने के बाद मैंने पढ़ाई छोड़ दी।'

श्याम को देखकर आश्चर्य हुआ कि सड़क पर गायों का झुंड है। वे कूड़ों के ढेर में मुंह डाल रही थीं। उसे यह देखकर बुरा लगा। इतनी सारे गायें किसकी हैं? उसके गांव में गायें खूंटे से बंधी रहती हैं। श्याम सोचता है, 'गांव का भोलू कुत्ता यहां के कुत्तों से अच्छा है। खाना खाने के बाद जब भी वह आवाज लगाता है, भोलू उसके पास आकर पूंछ हिलाने लगता है। क्या भोलू भी उसे ढूंढ़ रहा होगा? सुबह मां गांव चली जाएगी, तो इस अंधेरे कमरे में उसे अकेले रहना पड़ेगा। कैसे रह पाएगा वह?' श्याम को यह सोचकर रोना आ रहा था। उसे पूरी रात नींद नहीं आई। उसे चिंता हुई, मां के बिना वह कैसे रह पाएगा? सुबह रोटी बनाते हुए मां ने श्याम को आवाज लगाई, 'उठ, तैयार हो जा।' पिता जी ने पूछा, 'क्यों तैयार होगा वह? मैं तुम्हें गांव छोड़कर कल आ जाऊंगा।' मां तुरंत बोली, 'मेरा बेटा यहां नहीं रह पाएगा। रात भर वह रोता रहा। गांव में ही वह पढ़ाई करेगा।' पिता जी कुछ देर मां की ओर देखते रहे। फिर धीरे-धीरे रोटी खाने लगे।

मां की बात पर श्याम को पहले विश्वास ही नहीं हुआ। मां ही तो उसे शहर में पढ़ाना चाहती थी। अब वही गांव लौटने के लिए कह रही है। मन ही मन खुश श्याम गांव जाने के लिए तैयार होने लगा। *

कविता / करुणा पांडे

गूगल दादा

गूगल दादा गूगल दादा, उत्तर हमें बता दो।
कल परीक्षा है हमारी, पाठ याद करवा दो।।
प्रश्न का उत्तर दे सकता हूं, याद तुम्हें है करना।
मैं मशीन वाला दादा हूं, याद सदा ये रखना।।
तुम भी दादा वह भी दादा, क्या अंतर है भाई।
मेरे दादा-दादी ने कई, कविता याद कराई।।
दादा-दादी हैं इंसान, भाव संस्कार भरे हैं।
जितना फीड किया मशीन में, उतना काम करे है।।
गूगल दादा गूगल दादा, तुम से कट्टी कर लेंगे।
अपनी दादी नानी की, गोदी में सर रख पढ़ लेंगे।।

मैं मशीन हूं नेट से चलता, काम करूंगा प्यार नहीं।
इस दुनिया में प्यारे बच्चो, दादी मां सा दुलार नहीं।।
मां-पापा से यही प्रार्थना, सीखो खुद और बताओ।
दया सत्य का पाठ सदा ही, दादी-नानी संग पाओ।।

सही जोड़ा बनाओ

बच्चो, यहां कुछ एनिमल्स के चित्र और उनकी परछाइयां दी गई हैं। तुमको चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करना है।

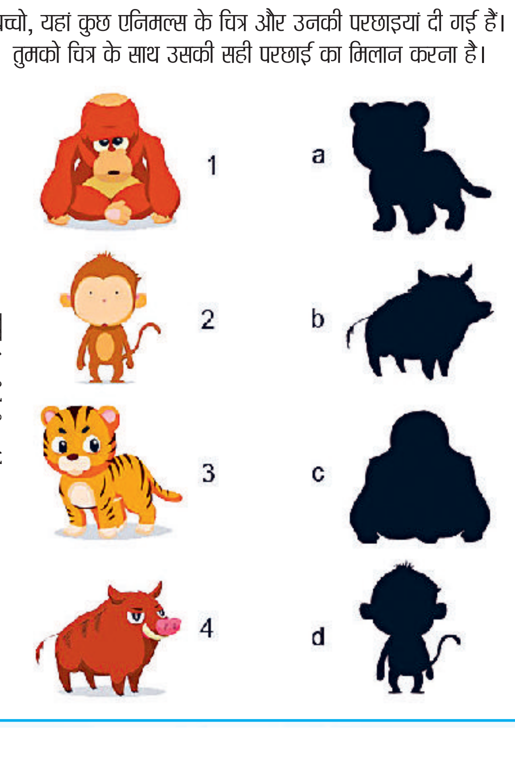

उत्तरः 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

जीके क्विज-149

1. एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट-2025 का आयोजन किस राज्य में किया जाएगा?
2. देश के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
3. कौन-सा केंद्र शासित प्रदेश हरियाणा और पंजाब दो राज्यों की राजधानी भी है?
4. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म कहां हुआ था?
5. दुनिया का सबसे बड़ा महासागर कौन-सा है?
6. भारत में सबसे पहले अंडरग्राउंड ट्रेन कहां चली थी?
7. दुनिया का सबसे छोटा देश कौन-सा है?
8. किस मुगल शासक ने फतेहपुर सीकरी की स्थापना की थी?
9. भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन-सी है?
10. 'मधुशाला' किसकी रचना है?

बच्चों, जीके क्विज-149 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-148 का उत्तर : 1.विनोद कुमार शुक्ल, 2.क्रिकेट, 3.नायब सिंह सैनी, 4.चाड, 5.गुरु रामदास, 6.नरेंद्र मोदी स्टेडियम, 7.प्रोपेन और ब्यूटेन, 8.सहारा मरुस्थल, 9.टोकोफेरॉल, 10. 18 अप्रैल

जीके क्विज-148 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, अमन-रायपुर, दीपक-बिलासपुर, कशिश-बालोद, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, कुणाल-रोहतक

खबर संक्षेप

पक्षियों के लिए करें पानी का प्रबंध

बहादुरगढ़। समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने सभी से अपने घरों की छत पर पक्षियों के लिए मिट्टी के बर्तन में पीने के पानी की व्यवस्था करने की अपील की है। उनके अनुसार बेजुबानों को भी जीने के लिए खाना-पानी और अच्छे वातावरण की जरूरत होती है। गर्मी बढ़ने पर पक्षियों को भी पानी के साथ ही हमारी मदद की जरूरत है।

अनाज मंडी में गेहूं की खरीद जारी

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में गेहूं और सरसों की खरीद जारी है। वीरवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में आठ गेट पास कटे और 430 क्विंटल गेहूं आया। जबकि सरकारी खरीद नहीं हुई। बहादुरगढ़ की अनाज में अब तक 2937. 5 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। अब तक 737 क्विंटल उठान हो चुका है। वहीं आसौदा की मंडी में गेहूं की फसल के 87 गेट पास कटे और 5689 क्विंटल फसल आई। कुल 4333 क्विंटल खरीद हुई। अब तक 20511 क्विंटल खरीद हो चुकी है। दूसरी तरफ बहादुरगढ़ की मंडी में लगातार दूसरे दिन भी सरसों की फसल नहीं आई, खरीद भी नहीं हुई।

राष्ट्रीय लोक अदालत दस मई को

झज्जर। आगामी दस मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन झज्जर एवं बहादुरगढ़ न्यायिक परिसर में किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत प्राधिकरण की तरफ से जिला न्यायालय परिसर में तथा जिला एडीआर सेंटर में एक हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। जिसमें कोर्ट परिसर में आने जाने वाले लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया जा रहा है और लोक अदालत के फायदे भी बताए जा रहे हैं।

विशाल, सीजेएम एवं सचिव डीएलएसए ।

चार किसानों की बिजली केबल चोरी

धारूहेड़ा। रोजका में चोर चार किसानों के नलकूपों से पंप सेट की बिजली केबल चोरी कर ले गए। गांव निवासी कृष्ण ने बताया कि जब वह सुबह के समय अपने नलकूप पर गया तो वहां बने कमरों के ताले टूटे हुए थे। चोर बिजली के कमरे से ट्यूबवेल तक की केबल काट ले गए। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि चोर उसके भाई सत्यप्रकाश व दो अन्य किसानों महेंद्र तथा श्रीराम के ट्यूबवेल से भी बिजली केबल चोरी कर ले गए।

स्कार्पियों की टक्कर से दो घायल

रेवाड़ी। जैसलमेर नेशनल हाइवे के सर्विस रोड पर सहारनवास के पास स्कॉर्पियो गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। धवाना निवासी कर्मजीत अपने चचेरे भाई रितिक के साथ बाइक से रेवाडी की ओर आ रहा था। सहारनवास अंडरपास से निकलकर जग दोनों सर्विस रोड पर पहुंचे तो स्कॉर्पियो गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी।

बहादुरगढ़ के तीनों जैन मंदिरों के साथ ही पांडुशिला पर हुए विशेष कार्यक्रम

श्रद्धा व उल्लास से मनाई महावीर जयंती

■ कार्यक्रम में चेयरपर्सन सरोज राठी व एसीपी दिनेश कुमार ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर में वीरवार को भगवान महावीर जयंती श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई। शहर के तीनों जैन मंदिरों में अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनाज मंडी में स्थित पांडुशिला पर उत्सव जैसा माहौल था। जैन धर्म की शिक्षाओं के प्रवचन हो रहे थे। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चेयरपर्सन सरोज राठी व एसीपी दिनेश कुमार ने भी शिरकत की।

बता दें कि भगवान महावीर जैन धर्म के संस्थापक थे। वीरवार को उनकी जयंती के उपलक्ष्य में शहर की अनाज मंडी स्थित पांडु शिला में विशेष पूजा अर्चना हुई। इसके बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष, महिलाओं व बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। शहर के जटवाड़ा मौहल्ला, अग्रवाल कॉलोनी और संत कॉलोनी स्थित जैन मंदिरों में भी भगवान महावीर की प्रतिमाओं का पारम्परिक ढंग से अभिषेक किया गया। इस पवित्र अवसर पर जैन धर्म के कई लोगों ने जरूरतमंदों की मदद की। अन्य ने मंदिरों में जाकर विशेष पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में सुनील जैन ने कहा कि भगवान महावीर प्रेम, करुणा और अहिंसा के अवतार थे। इस अवसर पर हम अपने निजी व सार्वजनिक जीवन में उनकी शिक्षाओं का पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराएं। इस मौके पर अश्वनी जैन, विजय जैन, प्रवीण जैन, राजेंद्र जैन, दीपक जैन, सुरेंद्र जैन, नरेंद्र जैन, राजीव जैन, रतन जैन, विनोद जैन, अरविंद जैन, संजय जैन, राकेश जैन, नीतिन जैन, अरुण जैन व नीरज जैन आदि ने भगवान महावीर के दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़। महावीर जयंती पर विशेष पूजा अर्चना करते अनुयायी, भंडारे में प्रसाद वितरित करते सुनील जैन व अन्य। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 73 कर्मचारियों ने करवाई आंखों की जांच

झज्जर। पुलिस लाइन मैदान में आंखों की जांच करते हुए चिकित्सक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार को पुलिस लाइन मैदान में आंखों की जांच के लिए विशेष शिविर लगाया गया। जिला पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन के निर्देशानुसार लगाए गए विशेष जांच शिविर में आइक्यू सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों की आंखों की जांच की। प्रवक्ता ने विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिस लाइन में कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों की आखों की जांच की गई। जिसमें करीब 73 कर्मचारी और उनके परिजनों की आंखों की जांच की गई। इस दौरान कल्याण सुरक्षा शाखा प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

बच्चों के शारीरिक व बौद्धिक विकास के लिए जरूरी है आंगनवाड़ी प्ले स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार को साल्हावास क्षेत्र के गांव कोंद्रावली में स्कूल रेडीनेस मेला लगाकर आंगनवाड़ी प्ले स्कूल के प्रति लोगों को किया जागरुक किय गया। मेले में मुख्याध्यापक मुकेश कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने एक अनूठी पहल की है जिसके चलते छोटे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाती है। इससे बच्चों का बौद्धिक एवं शारीरिक विकास होता है। आंगनवाड़ी प्ले स्कूल कार्यकर्ता अन्नु रानी ने बताया कि आज के रेडीनेस मेले का उद्देश्य बच्चों को खेल आधारित शिक्षा प्रदान करना व ग्रामीण अभिभावकों को जागरुक करना रहा। उन्होंने अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के बच्चों का दाखिला आंगनबाड़ी प्ले स्कूल में कराने का आह्वान करते हुए बताया कि यहां मुफ्त शिक्षा दी जाती है तथा बच्चे का सर्वांगीण विकास खेल द्वारा किया जाता है। इस मौके पर एजुकेशन फाउंडेशन से पूनम डागर, लर्निंग से प्रदीप कुमार व आंगनावड़ी वर्कर्स देवकी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में मौजूद महिला अभिभावक एवं आंगनवाड़ी वर्कर्स। फोटो :हरिभूमि

पौष्टिक आहार को लेकर बनाए पोस्टर-स्लोगन

■ हमें जंक फूड को त्यागकर मोटे अनाज व हरी सब्जियों का उपयोग करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के सातवें व अंतिम दिन वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में स्वयंसेविकाओं ने स्वस्थ व पौष्टिक आहार थीम पर पोस्टर बनाकर व स्लोगन लिखकर पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता फैलाई।

महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य एक व्यक्ति नहीं अपितु संपूर्ण समाज की नीव है। संतुलित व पौष्टिक आहार स्वास्थ्य की कुंजी है। शरीर को चुस्त व दुरूस्त रखने के लिए व्यायाम व योग का जितना महत्व है। उतना ही पौष्टिक आहार सही मात्रा में ग्रहण करना भी आवश्यक है। हमें जंक फूड को त्यागकर मोटे अनाज व हरी सब्जियों का उपयोग करना चाहिए। दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। तभी हमें सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में मिलेंगे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. नेहा नैन ने बताया कि 4 से 10 अप्रैल तक स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई। समाज को जागरूक करने के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति समर्पित दिनचर्या को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रीति, सीमा व डॉ. दीपिका यादव का अहम योगदान रहा।

बहादुरगढ़। पौष्टिक आहार से जुड़े पोस्टर-स्लोगन दिखाती स्वयंसेविकाएं। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 151 मरीजों की स्वास्थ्य जांचा

■ शिविर में 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार को जिला आयुष विभाग द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस और डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के 270वें जन्मदिवस पर शहर के बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉक्टर अशोक वर्मा, रेणुका पंडित, डॉक्टर जितेंद्र, डॉक्टर प्रमोद व डॉक्टर पवन देशवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चिकित्सा शिविर में कुल 151 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर चिकित्सा दी गई। वहीं रक्तदान शिविर में 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर राजकपूर ने बताया कि शिविर होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से लोगों का निदान कर निशुल्क औषधियां वितरित की गई। इसके अलावा आचार्य बलदेव, नवीन, दयावती प्रवीण ,अरुण और योग सहायकों द्वारा रोगियों को योग से संबंधित बीमारियों के इलाज की जानकारी दी गई। योग सहायकों ने योग एवं प्राणायाम को अपने जीवन में प्रतिदिन अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

झज्जर। शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए विभागीय टीम एवं अन्य।

राम अहलावत ने पीर बाबा पर चादर चढ़ा कर परिवार के लिए सुख शांति की प्रार्थना की

■ भंडारे से पूर्व हवन का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

झज्जर रोड पर बिजली पावर हाउस के पास स्थित पीर बाबा पर भंडारा व सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने परिवार के साथ शिरकत की और पीर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पीर बाबा पर चादर चढ़ा कर परिवार व सभी के लिए सुख शांति प्रार्थना की। इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण कर पीर बाबा का आशीर्वाद लिया। भंडारे से पूर्व हवन का आयोजन किया गया व श्रद्धालुओं द्वारा पीर बाबा पर चादर चढ़ाई गई। इस मौके पर उनके साथ मोनू फौजी व धर्मवीर आदि भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। पीर पर चादर चढ़ाते राम अहलावत। फोटो :हरिभूमि

प्राइवेट स्कूल के कंडक्टर पर मारपीट का केस दर्ज

कोसली। खुर्शीद नगर गांव के एक व्यक्ति ने एक निजी स्कूल की बस के कंडक्टर पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। राजेन्द्र सिंह ने नाहड़ पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके बच्चे एक निजी स्कूल बस में स्कूल जाते हैं। बच्चों ने बताया था कि बस कंडक्टर उन्हें पीटता है। गत माह 21 मार्च को प्रातः उन्होंने इस संबंध में उनके गांव के ही बस कंडक्टर गोरा से पूछा तो उसने उल्टा उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

रसोई गैस महंगी करने पर सरकार को घेरा

■ 50 रुपये की वृद्धि सीधे तौर पर करोड़ों परिवारों के रसोई बजट पर प्रहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने भाजपा सरकार द्वारा घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में की गई बढ़ोतरी की कड़ी निंदा की है। उनके अनुसार एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि सीधे तौर पर करोड़ों परिवारों के रसोई बजट पर प्रहार है। जनता पहले ही महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है। पूर्व विधायक राजेंद्र जून के अनुसार महंगाई के चलते आज हालात ऐसे हो गए हैं कि आम आदमी के लिए रोटी का जुगाड़ भी मुश्किल हो गया है। कांग्रेस राज में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम नाममात्र बढ़ने पर भी कपड़े निकालकर प्रदर्शन करने वाले भाजपाई अब खामोश हैं। महंगाई की मार से आमजन का जीना दूभर हो चला है। जून ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां जनहित की बजाय जनविरोधी साबित हो रही है। हर मोर्चे पर आम नागरिकों को निराशा ही मिल रही है। चुनाव के समय जनता को लोक लुभावने वादे करके सत्ता हथियाना वाली भाजपा आए दिन महंगाई बढ़ाकर जनता पर बोझ डाल रही है। जनता के मन में आज केंद्र व हरियाणा की भाजपा सरकार के प्रति भारी रोष बढ़ रहा है।

राजेंद्र सिंह जून

निरीक्षण कार्य पंचकूला से आए उप निदेशक डॉ. सर्वजीत सिंह के नेतृत्व में हुआ

औसत पैदावार के आंकलन के लिए कृषि विभाग ने किया फसल कटाई प्रयोगों का निरीक्षण

■ फसल कटाई से पूर्व, कटाई के दौरान और कटाई के बाद अपनाई जाने वाली सभी वैज्ञानिक विधियों की जांच की जाती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जिला के कृषि खंडों में सरसों व गेहूं फसल के फसल कटाई प्रयोग के तहत चिन्हित खेतों का फसल कटाई से पूर्व, फसल कटाई के दौरान व फसल कटाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं का गहन निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण कार्य पंचकूला से आए उप निदेशक डॉक्टर सर्वजीत सिंह के नेतृत्व में किया गया। उप निदेशक डॉक्टर जितेंद्र अहलावत ने बताया कि फसल कटाई प्रयोगों के माध्यम से फसलों की औसत पैदावार का आंकलन किया जाता है। इस प्रक्रिया में फसल कटाई से पूर्व, कटाई के दौरान और कटाई के बाद अपनाई जाने वाली सभी वैज्ञानिक विधियों की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि ये प्रयोग न केवल फसल की उत्पादकता और गुणवत्ता को आंकने में सहायक होते हैं, बल्कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत नुकसान का सटीक मुआवजा निर्धारित करने के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान सहायक सांख्यिकी अधिकारी कुलदीप सिंह, विषय विशेषज्ञ रमेश कुमार, वरुण, महावीर मलिक, खंड कृषि अधिकारी राकेश राणा, डॉक्टर अशोक रोहिल्ला, संदीप सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। खेतों में निरीक्षण करते हुए विभागीय टीम। फोटो :हरिभूमि

साइकिल रैली के माध्यम से दिया नशा न करने का संदेश

झज्जर। नशे को ना समिति के तत्वावधान में रोहतक के मॉडल टाउन कम्युनिटी सेंटर से 80 किलोमीटर तक एक साइकिल रैली निकालकर लोगों को किसी भी प्रकार का नशा न करने का संदेश दिया गया। समिति की प्रधान एवं साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक ने बताया कि इस रैली को रोहतक सीएमओ डॉक्टर रमेश चंद आर्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। आज का युवा नशे की गिरफ्त में जकड़ता जा रहा है। युवा वर्ग को नशे से बचाने के लिए हमें एकजुटता से प्रयास करना होगा। इसके उपरांत यह साइकिल रैली स्थानीय सांपला रोड स्थित एक हाउसिंग सोसायटी में पहुंची। यहां सभी साइकिलिस्ट्स का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। अपने संबोधन में स्वीटी मलिक ने कहा कि हमारा प्रदेश दूध, दही व देसी खाने के लिए प्रसिद्ध था लेकिन आज का युवा इस खान-पान को छोड़कर नशे की आदत का शिकार होता जा रहा है। इस मौके पर आनंद शर्मा, संजीव सुहाग, दीपक धीमान, नवीन धनखड़, अजय कुमार, कमला देवी, रेखा देवी, हिमानी कौशिक, हर्ष कौशिक, ज्योति शर्मा, सोनिया देवी, कलावती, भतेरी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

आवश्यकता

श्री रणजीत स्मारक शांति निकेतन कन्या गुरुकुल लोवा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त अनुदानित सत्र- 2025-26 हेतु एक संस्कृत शिक्षिका, विषयः- (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, कर्मकांड, दर्शन) एवं एक आधुनिक शिक्षिका, विषयः- (हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित) की आवश्यकता है। जिसके लिए योग्यता संबंधित विषय से आचार्य (एम.ए.) व शिक्षाशास्त्री (बी.एड) है। मानदेय - 20,000/- प्रतिमाह। अभ्यर्थी समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति मय आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर उपरोक्त पते पर विद्यालय कार्य दिवसों में दिनांक- 21/04/2025 तक सायं-5:00 बजे तक प्रेषित/प्रस्तुत कर सकते हैं। विलम्ब से प्राप्त, आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। साक्षात्कार की सूचना अभ्यर्थी को पृथक से दूरभाष या ई-मेल पर दी जाएगी।

प्राचार्या डॉ. राजन मान (प्रबंधिका)

खबर संक्षेप

झज्जर। महावीर जयंती पर प्रसाद ग्रहण करते हुए जैन समाज के लोग एवं श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

महावीर जयंती पर बांटा प्रसाद

झज्जर। वीरवार को स्थानीय मेन बाजार में श्रीमहावीर जयंती पर जैन समाज के लोगों एवं श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा नेता मनीष बंसल, जैन समाज के अध्यक्ष विपिन जैन, एडवोकेट भरतेश जैन, दीपक, सुभाष चंद जैन, संतोष जैन, अग्रवाल युवा संगठन के प्रधान सतनारायण गोयल, सीए ध्रुव जैन, उदय जैन, गुन्नु जैन, सतबीर सैनी, बिट्टू चौहान, मनु सैन आदि ने भंडारे के दौरान सेवाएं देते हुए श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया।

मकान के बाहर से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। गांव कुलासी में मकान के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। कुलासी के निवासी अनिल का कहना है कि उसने अपने मकान के गेट के बाहर बाइक खड़ी की थी। गत 9 अप्रैल को कोई चुरा ले गया। जब मकान से बाहर निकला तो बाइक नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। वहीं, सदर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने इत्तिफाकिया कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा

तीन व्यक्तियों ने फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

गांव खेड़ी खुम्मार में अधरंग से पीड़ित एक व्यक्ति ने फांसी लगा कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान मंजीत पुत्र रोशन लाल के तौर पर हुई है। मृतक मंजीत करीब सात वर्ष पहले हुए एक एक्सीडेंट के बाद अधरंग का शिकार हो गया था। वह तभी से बेड पर था। बुधवार को जब घर में कोई नहीं था तो उसने फांसी लगा ली। परिजनों को जब पता चला तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

- खेड़ी खुम्मार में अधरंग से पीड़ित व्यक्ति ने फंदा लगाया

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस द्वारा मंजीत की पत्नी के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

प्रवासी श्रमिक ने फंदा लगाया

झज्जर। गांव लुहारी स्थित एक वेयरहाउस में एक प्रवासी श्रमिक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए शव को स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान मूल रूप बिहार के रहने वाले भूतसेन के तौर पर हुई है। मृतक भूतसेन अपने परिवार के साथ यहां लुहारी गांव रहता था। वह दो बेटियों का पिता था। भूतसेन ने बुधवार की देर रात अपने कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बाद में पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया।

बेलदार ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

झज्जर। गुरुग्राम रोड स्थित ऑफिसर कालोनी में रहने वाले एक बेलदार ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान मूल रूप से जींद जिला के हथवाला गांव निवासी करीब 45 वर्षीय राजकुमार के तौर पर हुई है। वह पिछले करीब दस वर्षों से यहां कालोनी में रह रहा था तथा स्थानीय तहसील में बेलदार के पद पर कार्यरत था। उसकी पत्नी भी इसी विभाग में बेलदारी करती है। वह दो पुत्रों का पिता था। सूचना मिलने उपरांत पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जानकारी लेते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया।

झज्जर। सांकेतिक हड़ताल के चलते डीघल गांव में बंद पड़ी खाद एवं बीज की दुकान।

खाद व बीज विक्रेता हड़ताल पर, बीज न मिलने से किसानों को हो रही परेशानी

झज्जर। जिलेभर में खाद एवं बीज भंडार बंद होने के कारण किसानों को परेशानी आने लगी है। जिले के किसान जहां ज्वार, कपास व मूंग आदि का बीज खरीदने से वंचित है वहीं किसान ऐसे भी है जिन्होंने अपने खेतों में सब्जी की फसल बो रखी है। ऐसे में कीटनाशी दवा न मिलने से सब्जियों के खराब होने का भय भी बना है। वहीं खाद एवं बीज विक्रेता बलवान हसनपुर ने बताया कि सरकार द्वारा बीज एवं कीटनाशकअधिनियमों में संशोधन कर अर्थ, दंड एवं कारावास के कड़े प्रावधान किए गए हैं। इन कानूनों द्वारा प्रभावित वर्गों, बीज उत्पादक, विक्रेता एवं कीटनाशी निर्माता व विक्रेताओं की आपत्तियां सुने बिना पास किया गया है। इसी के चलते बीज एवं खाद भंडार संचालकों द्वारा मीटिंग का आयोजन कर हड़ताल करने का निर्णय लिया गया था। यदि सरकार इस निर्णय को वापिस नहीं लेती है तो वे अनिश्चितकाल के लिए भी अपनी दुकानें बंद करने को मजबूर होंगे।

जलकर राख हुई फसलों का मिले मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने बताया कि हर वर्ष प्रदेश में सैकड़ों एकड़ फसल विभिन्न कारणों से आग की भेंट चढ़ जाती है।

बीमा कंपनियां भी आग से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा नहीं देती तथा हरियाणा सरकार भी कोई क्षतिपूर्ति नहीं करती। किसान हाथ मलते रह जाते हैं। उनकी साल भर की कमाई देखते ही देखते नष्ट हो जाती है।

उन्होंने बताया कि पिछले चार-पांच दिन से कई गांवों के कई किसानों की लगभग 25-30 एकड़ पकी पकाई गेहूं की फसलें आग लगने से जलकर राख हो गई है। संगठन ने किसानों की बर्बादी पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए सरकार से पीड़ित किसानों को कम से कम 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की।

शार्ट सर्किट से मोची की दुकान में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

कस्बा बेरी में वीरवार को एक मोची की दुकान में आग लगने से उसका छप्पर जल कर राख हो गया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। तेज हवाओं के कारण आग इतनी तेजी से फैली की जब तक फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक दुकान का छप्पर जल चुका था। बाद में बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जिससे साथ लगती दुकानों में अधिक नुकसान होने से बच गया। बेरी की अनाजमंडी के नजदीक हुई इस आगजनी की घटना में मोची की दुकान में रखी में जूतियां व हजारों रुपये का सामान भी झुलस गया। जानकारी के अनुसार बेरी निवासी सूजरभान ने करीब एक माह पहले ही इस स्थान पर छप्पर डालकर अपनी दुकान लगानी शुरू की थी। इससे पहले वह सड़क के दूसरे छोर पर दुकान लगाता था। सूरजभान के अनुसार इस आगजनी में जहां उसका करीब दस हजार रुपये नुकसान हो गया।

- हजारों रुपये का सामान हुआ जलकर राख, छप्पर के नीचे ही अपनी गुजर-बसर करता था पीड़ित सूरजभान

झज्जर। आग लगने के बाद धूं-धूं करके जलता हुआ छप्पर। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। देशव्यापी आयोजन को लेकर मिठाई बनाने में व्यस्त हलवाई। फोटो: हरिभूमि

लोवा कलां में हुई देशव्यापी कार्यक्रम की तैयारियां तेज

बहादुरगढ़। गांव लोवा कलां में शनिवार 12 अप्रैल को होने वाले देशव्यापी कार्यक्रम की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस कार्यक्रम में देशभर से विभिन्न खापों, तपो व पंचायतों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं। वीरवार को कार्यक्रम की तैयारियों के अंतर्गत दर्जनों हलवाई मिठाई तैयार करने में जुटे रहे। लोकगीत गाती हुई महिलाएं दिनभर तैयारियों में सहयोग करती रही। लोवा सतरह के प्रधान अशोक मान की अगुवाई में होने वाले देशव्यापी धार्मिक आयोजन का 63वां अवसर है। पिछले 62 सालों से यह आयोजन परम्परा का रूप ले चुका है। आयोजक दलबीर मान के अनुसार हर वर्ष की भांति इस बार भी कार्यक्रम में हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करने आएंगे। उनके मनोरंजन के लिए लोक गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। दूर दराज के गांवों से आने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्था की गई है। देशभर की खाप पंचायतें इस विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य की भागी बनती है। दूर दराज से आने वाले लोगों के ठहरने की व्यवस्था भी आयोजकों की ओर से की गई है।

शांति, अहिंसा और सत्य के प्रतीक भगवान महावीर को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में वीरवार को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से की गई। इस दौरान संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल, निदेशक रामअवतार, प्राचार्य पृथ्वी राज ने विशेष रूप से शिरकत की। डॉक्टर महिपाल ने बताया कि महावीर जयंती जैन धर्म का प्रमुख और पवित्र त्यौहार है। यह दिन भगवान महावीर को श्रद्धांजलि देने और उनकी शिक्षाओं को याद करने के लिए मनाया जाता है। उनको शांति, अहिंसा और सत्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने भगवान महावीर के जीवन और उपदेशों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, भाषण और भजन प्रस्तुत किए, जिनमें अहिंसा, सत्य और संयम के संदेश को सुंदर ढंग से दर्शाया गया। स्कूल परिसर को रंगोली, पोस्टर और झंडियों से सजाया गया। निदेशक रामअवतार ने अपने संबोधन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देते हुए विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि 12 वर्ष की कठोर साधना के बाद भगवान महावीर को आत्मज्ञान की प्राप्त हुई। इस दिन जरूरतमंदों को दान दिया जाता है। इस पर्व को भारत में ही नहीं बल्कि संसार के कई हिस्सों में बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

- संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में कार्यक्रम का आयोजन

झज्जर। महावीर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

दोस्त का बेटा बनकर लगाई साढ़े तीन लाख की चपत

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

गांव बामड़ोला के निवासी एक व्यक्ति के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिर ने दोस्त का बेटा बनकर व्यक्ति के पास कॉल की और वीजा खत्म होने का हवाला देकर पेमेंट मंगवाई। अपनेपन में व्यक्ति ने भी साढ़े तीन लाख रुपये भेज दिए, लेकिन जब दोस्त से बातचीत हुई तो ठगी का आभास हुआ।

अपनेपन में व्यक्ति ने भी साढ़े तीन लाख रुपये भेज दिए

वारदात जयपाल के साथ हुई है। जयपाल का कहना है कि वह एक मेडिकल स्टोर पर काम करता है। मेरे दोस्त भूपेंद्र का लड़का इंग्लैंड में प्राइवेट जॉब करता है। गत 28 मार्च को मेरे फोन पर व्हाट्सएप कॉल आई। कॉलर ने कहा कि मैं इंग्लैंड से आपके दोस्त का लड़का लखन बोल रहा हूं। मैंने वीजा लगवाया था, जिसकी साढ़े तीन लाख पेमेंट बकाया है। अगर पेमेंट नहीं की तो मेरा वीजा खत्म हो जाएगा। मैं आपके पास तीन लाख 50 हजार रुपये आपके खाते में डलवा दूंगा। आप उनको निकालकर उनके द्वारा दिए गए खातों में डलवा देना। गत 28 मार्च को मेरे पास एक कॉल आई। कॉलर ने कहा कि आपका नंबर लखन ने दिया है। आपको साढ़े तीन लाख रुपये देने हैं। फिर मैंने उस शख्स द्वारा दिए गए खाते में लाडपुर स्थित एक मनी ट्रांसफर दुकान से 50 हजार डलवा दिए। इस तरह से अलग अलग खातों से तीन लाख 49 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद मैंने भूपेंद्र से बात की तो उसने बताया कि बेटे को तो पासपोर्ट संबंधित कोई दिक्कत नहीं है। इसके बाद मुझे आभास हुआ है कि शातिरों ने लखन का नाम लेकर मेरे साथ ठगी की है। उधर, साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 500 त्रिवेणी लगाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मौजूदा दौर में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है। इस समस्या को देखते हुए कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपने व्यक्तिगत प्रयास से समाज को नई दिशा दे रहे हैं। इन्हीं में से एक हैं क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट से जुड़े अजित गोयल, जो पर्यावरण संरक्षण पर जोर दे रहे हैं। अजित गोयल हर शुभ अवसर पर लोगों को त्रिवेणी लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। अब तक 500 से अधिक त्रिवेणियां लगवाकर उन्होंने एक मिसाल पेश की है। उनका यह प्रयास केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे लोगों को वृक्षों की देखभाल और संरक्षण के लिए भी प्रेरित करते हैं। अजित का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है।

बहादुरगढ़। पौधे लगाने जाते अजित गोयल।

भंडारों में विधायक ने छका प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने वीरवार को गांव कसार में दादा सिरस वाले के वार्षिक जागरण एवं भंडारा कार्यक्रम में शिरकत की। साथ ही झज्जर रोड स्थित आश्रम बाबा सैय्यद पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

उनके अनुसार धार्मिक आयोजन से समाज में आपसी भाईचारे व एकता को बढ़ावा मिलता है। दोनों जगह आयोजकों ने उनका स्वागत करने के उपरांत पगड़ी बांधकर व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। जून ने कहा कि संत महात्मा हमारे लिए सदैव पूजनीय हैं। उन्होंने आयोजकों को मंदिर में सत्संग एवं भंडारा आयोजित करने की बधाई दी।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ विधायक राजेश जून। फोटो: हरिभूमि

हार्दिक ने ट्रायल में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

महाराष्ट्र के नासिक में इंडिया ताइक्वांडो फेडरेशन कप 2025-26 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आयोजित ओपन ट्रायल में बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र हार्दिक अहलावत ने स्वर्ण पदक जीतकर अपना स्थान सुनिश्चित किया।

प्रधानाचार्य पूनम चौधरी ने बताया कि हार्दिक अहलावत ने फेडरेशन कप के लिए हुए ओपन सिलेक्शन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जूनियर कैटेगरी के 73 किलो भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। स्कूल डायरेक्टर रामनिवास छिल्लर, एडवोकेट प्रवीण छिल्लर, डॉ. सीमा छिल्लर, प्रधानाचार्य पूनम चौधरी व कोच सुरेन कुमार ने हार्दिक अहलावत के चयन पर खुशी जताते हुए उसके फेडरेशन कप में पदक जीतने का विश्वास व्यक्त किया। वजीर सिंह ने बताया कि उनका पुत्र हार्दिक इससे पहले भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई ताइक्वांडो चैंपियनशिपों में मेडल जीत चुका है।

बहादुरगढ़। ट्रायल में विनिंग स्टैंड पर खड़ा गोल्ड मेडल विजेता हार्दिक अहलावत। फोटो: हरिभूमि

आरटीई की तहत सीटें नहीं बता रहे स्कूल

बहादुरगढ़। शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों के लिए 25 फीसदी सीटें आरक्षित करने में निजी स्कूल दिलचस्पी नही दिखा रहे हैं। जिले में 411 मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में से 269 स्कूलों ने ही आरटीई के तहत सीटें दिखाई हैं। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र मलिक ने बताया कि जिले के 169 निजी स्कूलों ने सीटें नहीं दिखाई हैं। ऐसे स्कूलों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभिभावक भी गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला ना करवाएं। गैर मान्यता प्राप्त स्कूल स्वयं ही दो दिन में अपने स्कूल बंद कर दें। अन्यथा उनके खिलाफ भी सख्त विभागीय कार्रवाई होगी। उनके अनुसार 5 या इससे अधिक आयु का कोई भी बच्चा आंगनवाड़ी में नहीं रह सकता। उसे राजकीय विद्यालयों में चल रही बाल वाटिका में दाखिल करवाएं। खंड शिक्षा अधिकारी मुन्नी सहारण ने बताया कि बहादुरगढ़ में केवल 50 निजी स्कूलों ने आरटीई के तहत सीटें प्रदर्शित की हैं। उनके अनुसार सीटें नहीं दिखाने वाले स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। पोर्टल पर सीटें दिखाने वाले स्कूल भी बीईओ कार्यालय में शुक्रवार 11 अप्रैल तक हार्ड कापी अवश्य जमा करवाएं। उन्होंने सभी प्राइवेट स्कूलों को विद्यालयों में निजी प्रकाशकों की पुस्तके व ड्रेस आदि नहीं बेचने की हिदायत दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900